1	2
18,	Baljeet Singh & Co. Brick Kiln Kishan Garh Delhi.
19,	Raj Kamal Bhatta (A One Bhatta) Village Kishan Garh, Delhi– 30
20,	Jai Kishan Bhatta Village Kishan Garh Delhi-30
21,	Hukam Chand and Co. Kishan Garh, Delhi.
22,	R.S. Bhatta and Co. Village Kishan Garh, Delhi-30
23,	Ajay Enterprises Village Kishan Garh, Delhi-30
24,	Jaildar Bhatta Village Kishan Garh, Delhi-30

वायुजल और (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम

2067. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष वायु और जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम के अधीन कितने मामले दर्ज किए गये हैं; और

(ख) कितने मामलों में न्यायालयों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के क्रमशः पक्ष में अथवा उनके विरुद्ध निर्णय दिये हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमलनाथ) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत पंजीकृत किए गए मामलों की संख्या तथा उन मामलों की संख्या जहां निर्णय प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के पक्ष में या उनके खिलाफ गए हैं, नीचे तालिका में दी गई है :

वर्ष	जल और वायु अधिनियम के तहत कुल पंजीकृत मामलों की संख्या	दिये गये निर्णयों की संख्या जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के पक्ष में गये	जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के खिलाफ गए
1989	791	182	208
1990	652	214	121
1991	752	107	136

Felling of forest trees in Jammu and Kashmir

2068. DR. SANJAYA SINH : Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Jammu and Kashmir has lost half of its forest cover during the last five decades because of modernisation and large scale felling of trees, as per the news report in the Hindustan Times, dated 8th June, 1992 entitled J&K has lost half of its forest cover ;

(b) if so what are the details thereof ; and

(c) what remedial steps Government propose to take in the matter ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH) : (a) and (b) It is not a fact that Jammu & Kashmir has lost half of its forest cover in the last five decades. however, as per the first assessment of the forest cover by Forest Survey of India,